

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



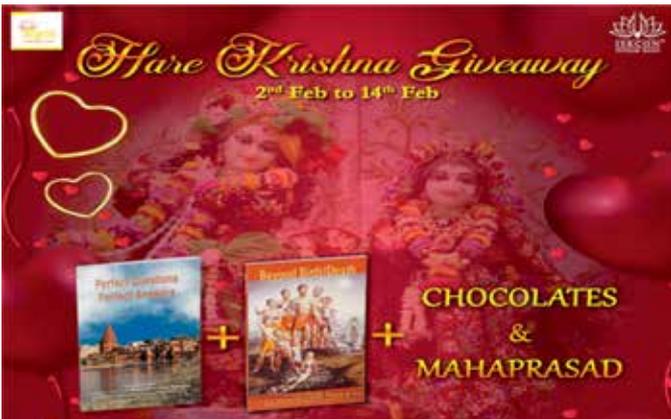
News

Appearance day of Srila Gopal Bhatta Goswami (2nd February) (ISKCON, East of Kailash)

The appearance day of Srila Gopal Bhatta Goswami was celebrated with pushpanjali and kirtan. Devotees prayed to the revered acharya for his mercy and compassion, who fuels one's spiritual advancement. Following the instructions of Vaishnavas and seeking their shelter is the easiest and sure shot way of progressing on the spiritual path. As one of the six Goswamis of Vrindavana, Gopal Bhatta Goswami gave up his material life to dedicate it to the mission of Mahaprabhu. Having been blessed with His personal association for the four months of the rainy season, Srila Gopal Bhatta Goswami became instrumental in the establishment of the Radha Raman temple of Vrindavana. The Lord appeared in the most enchanting form to offer an opportunity to His servant to render Him personal service. These deities continue to steal the hearts of all those who take their darshans.

Hare Krishna Giveaway (2nd Feb to 14th Feb) (IGF, ISKCON, Punjabi Bagh)

For the first time, the girls' forum "Jagriti" hosted a giveaway, full of gifts, chocolates, mahaprasad, sweets and eternal love. The team invited everyone to participate and get a chance to win the gift hampers. The requirements of giveaway were simple – one had to follow its page on



समाचार

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का प्राकट्य दिवस (2 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का प्राकट्य दिवस पुष्पांजली एवं कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने उनकी कृपा एवं करुणा प्राप्ति हेतु श्रद्धेय आचार्य से प्रार्थना की, जो कि आध्यात्मिक उन्नति को गति प्रदान करने वाला कारक है। वैष्णवों के निर्देशों का पालन एवं उनकी शरण ग्रहण करना, आध्यात्मिक पथ पर प्रगति हेतु सबसे आसान और सुनिश्चित उपाय है। वृंदावन के षड-गोस्वामियों में से एक के रूप में, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी ने महाप्रभु के आंदोलन में समर्पण हेतु अपने भौतिक जीवन का परित्याग कर दिया। वर्षा ऋतु के चार महीनों तक उनके व्यक्तिगत संग से धन्य होकर, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी ने वृंदावन के श्री श्री राधा रमण मंदिर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भगवान अपने भक्तों को अपनी व्यक्तिगत सेवा का अवसर प्रदान करने हेतु सर्वोत्कृष्ट दिव्य रूप में प्रकट हुए। आज भी ये दिव्य विग्रह उन सभी के हृदय को सतत चुरा रहे हैं जो भी इनके दर्शन करते हैं।



Facebook and Instagram, like and save the posts on the page, share the post in their feeds and stories and keep it active till 14th Feb at least, tag as many friends as possible and ask them to follow the above steps. The event saw enthusiastic participation and was a huge success. The IGF team is planning to do many more such events in future.

Lecture Series on Vedic Cosmology (7th Feb onwards) (Institute for Science and Spirituality, ISKCON, East of Kailash)

After considering the enthusiastic participation of the audience in the Bhagavad Sankhya lecture series, a new lecture series was started in the month of February on Vedic Cosmology by Dr. Mauricio Garrido. In the first session on 7th February, Dr. Garrido discussed about the nature of Universe, its age and boundaries as per Srimad-Bhagavatam. He touched upon the notion of bhu-mandala and its relationship with the earthly planetary systems. He emphasized on extending the idea of dimensions to include the metaphysical existence as well. In continuation of the above talk, the lecture series shall continue in the upcoming weeks and would attempt to bridge the gap between the modern and Vedic cosmology. Around 120 people are in regular attendance for these ongoing sessions. Meanwhile the IIT Delhi chapter of ISS is regularly conducting Bhagavad-Gita online classes in Science Spirituality and Sustainability group on Facebook every Friday evening for the benefit of its members. The membership of the group is about 250 in number. In the past weeks, verses 1-7 of chapter 16 dealing with the characteristics of divine and demoniac natures have been discussed.



Sunday Love Feast Restarts (7th Feb) (ISKCON, Rohini)

After a long gap of ten months, Srila Prabhupada's Sunday Love Feast was restarted in the temple premises. H.G. Radha Keshav prabhu, a senior preacher from the temple, was the first to give a discourse to a gathering of more than hundred devotees. He spoke at length about the glories of Lord Jagannatha along with His brother Lord Baladeva & sister, Subhadra Maharani. At the end of the program, everyone honoured sumptuous prasadam while interacting with each other.

हरे कृष्ण का दान (उपहार) (2 फरवरी से 14 फरवरी) (आईजीएफ, इस्कॉन, पंजाबी बाग)

बालिका मंच 'जागृति' ने, उपहार, चॉकलेट, महाप्रसाद, मिठाई एवं अनन्त प्रेम से परिपूर्ण 'हरे कृष्ण-एक दान' कार्यक्रम का प्रथमतः आश्रित्य किया। समूह ने सभी को भाग लेने एवं उपहार जीतने का अवसर प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया। 'हरे कृष्ण-एक दान' में भाग लेने की आवश्यकताएं सरल थीं – किसी को भी फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर इसके पेज का अनुयायी बनना था, पोस्ट को पसंद कर पेज पर सहेजना था, पोस्ट को अपने अवयव एवं कथाओं में साझा करना तथा कम से कम 14 फरवरी तक इसे सक्रिय रखना, जितने ज्यादा हो सकें उतने मित्रों को टैग करना और उन्हें भी उपरोक्त चरणों का पालन करने हेतु कहना था। इस आयोजन में उत्साही भागीदारी देखी गई और यह बहुत बड़ी सफलता रही। आईजीएफ समूह भविष्य में ऐसे कई और कार्यक्रम करने की योजना बना रहा है।

वैदिक ब्रह्मांड विज्ञान पर व्याख्यान श्रृंखला (7 फरवरी से) (आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान, इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भागवद-सांख्य व्याख्यान श्रृंखला में श्रोताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के उपरान्त, फरवरी के महीने में, डॉ. मौरिसियो गैरिडो द्वारा, वैदिक ब्रह्मांड विज्ञान पर एक नई व्याख्यान श्रृंखला आरम्भ की गई। 7 फरवरी को प्रथम सत्र में, डॉ. गैरीडो ने श्रीमद्-भागवतम् के अनुरूप, ब्रह्मांड की प्रकृति, उसकी आयु एवं सीमाओं के विषय में वार्ता की। उन्होंने भू-मण्डल की धारणा एवं पृथ्वी की ग्रह प्रणालियों के साथ इसके संबंध को छुआ। उन्होंने इस प्रकार आयाम के विचार को विस्तार देने पर बल दिया कि इसमें तात्त्विक अस्तित्व भी शामिल है। उपरोक्त वार्ता की निरंतरता में, व्याख्यान श्रृंखला आगामी सप्ताह में भी जारी रहेगी और आधुनिक तथा वैदिक ब्रह्मांड विज्ञान के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करेगी। इन जारी सत्रों में लगभग 120 लोग नियमित रूप से उपस्थिति में हैं। इस मध्य आईएसएस की आईआईटी दिल्ली शाखा अपने सदस्यों के लाभ हेतु नियमित रूप से हर शुक्रवार शाम फेसबुक पर विज्ञान अध्यात्म और स्थिरता समूह में भागवद-गीता की ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कर रही है। समूह की सदस्यता संख्या लगभग 250 है। पिछले सप्ताहों में, भागवद गीता अध्याय 16 के श्लोक 1-7 में "दिव्य एवं आसुरी प्रकृति के लक्षणों से व्यवहार" पर वार्ता की गई।

रविवारिय प्रीति भोज का पुनः आरम्भ (7 फरवरी) (इस्कॉन, रोहिणी)

दस माह के लंबे अंतरालोपरांत, मंदिर प्रांगण में श्रील प्रभुपाद के रविवारिय प्रीति भोज का पुनर्ारम्भ हुआ। मंदिर के एक वरिष्ठ प्रचारक श्रीमान राधा केशव प्रभु जी प्रथमतः सौ से अधिक भक्तों की एक सभा को प्रवचन करने वाले थे। उन्होंने भगवान जगन्नाथ उनके भाई भगवान बलदेव तथा बहन सुभद्रा महारानी के सहित उनकी महिमा के विषय में



Kickstarting kirtana year on a melodious note
(8 Feb 2021)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Like every year, many famous kirtaniyas greeted the deities with their melodious voices from the beginning of the year. After the visit of H.G. Madhava Prabhu, H.G. Golokanath Prabhu visited from Govardhana. A disciple of H.H. Lokanath Swami Maharaja, Goloknath Prabhu helped bring together the entire community under one roof during his visit.

Taking a moment to let go off stress (Feb 2021)
(ISKCON, Punjabi Bagh and Rohini)

Stress at work or in personal life can pull one down and debilitate one from doing any good to oneself or others. Stress is a very common problem in today's world. Many people think that to be happy, they need to become richer. By their wealth, they believe they can buy the things that will make them happy. To explain the defect in this belief system more holistically, the devotees took charge and brought in the finest aspects of handling stress – how to conduct oneself with more self-awareness and to manage the self, in a better manner gave tools for handling oneself in all situations – especially for policemen, who have been working overtime to bravely face the COVID challenge. A three-day workshop was conducted for police stations in Punjabi bagh, Moti Nagar and Kirti Nagar on 11th, 18th and 19th feb by H.G. Murali Krishna Prabhu and H.G. Keshav Murari Prabhu, temple president of ISKCON Rohini.

Appearance day of Srila Raghunatha Das Goswami (16th February)
(ISKCON, East of Kailash)

Scriptures state how one who gives up all temptations for sense gratification and fixes his mind on the service of the Lord, is guaranteed to receive the mercy of the Lord. Srila Raghunatha Das Goswami is an epitome of this. Having walked away from a golden cradle, he perfected his

विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम के अंत में, सभी ने एक दूसरे के साथ वार्ता करते हुए अप्रतिम प्रसादम ग्रहण किया।

मधुर सुर के संग कीर्तन वर्ष का प्रभावी आरम्भ
(8 फरवरी 2021)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

प्रतिवर्ष की भाँति, वर्षारंभ से ही से कई प्रसिद्ध कीर्तनीयों ने अपने मधुर कीर्तनों से विग्रहों का अभिवादन किया। श्रीमान माधव प्रभु जी की यात्रा के पश्चात, श्रीमान गोलोकनाथ प्रभु का गोवर्धन से आगमन हुआ। परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज जी के शिष्य, श्रीमान गोलोकनाथ प्रभु की यात्रा, सम्पूर्ण समुदाय को एक स्थान पर एकत्रित करने में सहायक बनी।



क्षण भर में तनाव को दूर करें (फरवरी 2021)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग एवं रोहिणी)

कार्यस्थल अथवा व्यक्तिगत जीवन में तनाव किसी का अधोः पतन कर सकता है एवं किसी को भी स्वयं की अथवा दूसरों की भलाई करने में दुर्बल बनाता है। आज के संसार में तनाव एक सार्वजनिक समस्या है। अधिकाँश व्यक्ति विचार करते हैं कि प्रसन्न रहने हेतु उन्हें धनी होने की आवश्यकता है। उनका विश्वास है कि अपने धन द्वारा वे उन वस्तुओं को क्रय कर सकते हैं जो उन्हें प्रसन्न करेंगी। इस विश्वास प्रणाली में दोष को, और समग्र रूप से समझाने हेतु, भक्तों ने प्रभार ग्रहण किया तथा तनाव से निपटने हेतु महीन दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अधिक आत्म-चैतन्यता के संग किस प्रकार स्वयं को संचालित करें तथा स्वयं को श्रेष्ठतर रूप से प्रबंधित करने हेतु और सभी स्थितियों में स्वयं को व्यवस्थित करने के उपाय सुलभ कराए गए – विशेष रूप से पुलिसवालों को, जो कोविड-चुनौती का वीरता से सामना करते हुए, अतिरिक्त समय में भी कार्यरत हैं। इस्कॉन रोहिणी के मंदिराध्यक्ष श्रीमान केशव मुरारी प्रभु एवं श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु द्वारा 11, 18 एवं 19 फरवरी को पंजाबी बाग, मोती नगर और कीर्ति नगर पुलिस थानों में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

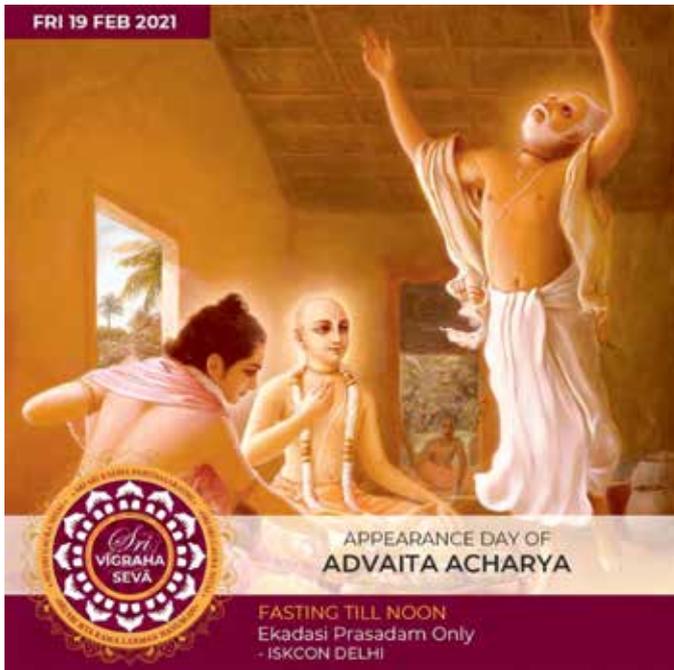
श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का प्राकट्य दिवस (16 फरवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

शास्त्र आश्रय देते हैं कि कैसे किसी को, जो इंद्रिय तृप्ति के सभी प्रलोभनों को छोड़कर, भगवान की सेवा में अपने मन को केन्द्रित

life by living an austere life according to the instructions of Chaitanya Mahaprabhu. A perfect sannyasi in words, mind and conduct, he exhibited how a pure devotee is completely oblivious to material existence. His appearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan.

🌿 Appearance day of Advaita Acharya (19th February)

The Lord appears to annihilate the demons and satisfy His devotees. Annihilation is something He can easily accomplish through His energies, but the opportunity of enacting out pastimes with His devotees, for their pleasure and satisfaction, is the real reason why the Lord incarnates in every yuga. Distressed by the symptoms of the age of Kali, Advaita Acharya, prayed piteously, at the lotus feet of the Lord, to come down and re-establish the Vaishnava tradition. Unable to bear the misery of the living entities around, Advaita Acharya urged Krishna to dispel the darkness of Kali. All Vaishnavas of this age are eternally indebted to this great devotee who caused the advent of Mahaprabhu. His appearance day was celebrated with kirtan and glorification.



🌿 Shobha Yatra (21st February) (ISKCON, East of Kailash)

Shobha Yatra is an annual precursor to Nityanand Trayodashi. This year due to Covid 19 restrictions, this event was organised on the campus of ISKCON, East of Kailash. The most beautiful utsava deities of Sri Sri Gaura-Nitai stepped out amidst feverish chanting of the holy name. Hundreds of devotees welcomed the Lord with flower rangolis, delectable bhoga and arati. Thousands who visit the temple over the weekend, stood enchanted watching the deities go on a yatra around the temple. Accompanying the procession were devotees dancing and revelling in the company of Their Lordships. The festive mood and the spiritually charged environment were a sight to behold. " I feel so blessed to have seen this beautiful ceremony. This was testimony to the fact that true bliss can be experienced only in Krishna consciousness," said Anju, a regular visitor to the temple.

करता है, उसे निश्चित ही प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी जी इसका प्रतीक हैं। स्वर्णिम पालने (सम्पन्न घर) से निकलकर, जिन्होंने श्री चैतन्य महाप्रभु के निर्देशानुसार तपश्चर्या पूर्ण एक कठिन वैराग्य का जीवन जीकर अपने को धन्य किया। एक आदर्श संन्यासी की भाँति, मन, वचन तथा कर्म से उन्होंने प्रदर्शित किया कि कैसे एक शुद्ध भक्त भौतिक अस्तित्व के प्रति उदासीन रहता है। उनका प्राकट्य दिवस पुष्पांजली और कीर्तन के साथ मनाया गया।

🌿 श्री अद्वैत आचार्य का प्राकट्य दिवस (19 फरवरी)

असुरों का विनाश करने तथा अपने भक्तों को तुष्टि प्रदान करने हेतु भगवान प्रकट होते हैं। विनाश तो एक ऐसी वस्तु है जिसे वह अपनी शक्तियों के माध्यम से ही सरलता से संपन्न कर सकते हैं, किन्तु अपने भक्तों के साथ उनके आनंद और तृप्ति हेतु लीलाओं को अभिनीत करने का अवसर ही वह वास्तविक कारण है कि जिसके लिए भगवान हर युग में अवतरित होते हैं। कलिकाल के लक्षणों से व्यथित होकर श्री अद्वैताचार्य ने दयाभाव से भगवान के चरण कमलों में, धरा धाम पर आने और वैष्णव परंपरा को पुनर्स्थापित करने हेतु, प्रार्थना की। आसपास रहने वाली जीवात्माओं का दुख सहने में असमर्थ, श्री अद्वैत आचार्य जी ने कृष्ण से कलियुग के अधकार को दूर करने का आग्रह किया। इस युग के सभी वैष्णव इन महान भक्त के सदा ऋणी हैं जो महाप्रभु के आगमन का कारण बने। उनका प्राकट्य दिवस कीर्तन एवं महिमा गायन के साथ मनाया गया।

🌿 शोभा यात्रा (21 फरवरी) (इस्कॉन मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश)

शोभा यात्रा नित्यानंद त्रयोदशी के लिए एक वार्षिक अग्रदूत की भाँति है। इस वर्ष कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण, यह कार्यक्रम इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश मंदिर परिसर में ही आयोजित किया गया। पवित्र हरिनाम के विह्वल कर देने वाले संकीर्तन के मध्य परमसुंदर भगवान गौर-नितै के उत्सव विग्रहों की शोभा यात्रा निकाली गई। सैकड़ों भक्तों ने फूलों की रंगोली, पुष्प-वर्षा, मनोरम भोग एवं आरती के साथ भगवान का स्वागत किया। सप्ताहांत में मंदिर आने वाले हजारों श्रद्धालुगण, मंदिर के चारों ओर शोभा यात्रा में निकलने वाले विग्रहों के दर्शन कर मंत्रमुग्ध हो गए। शोभा यात्रा में चलते हुए भक्तगण अपने भगवान के सानिध्य में नाचते-गाते और झूमते दिखाई दे रहे थे। उत्सव के भाव लिए तथा आध्यात्मिक रूप से आवेशित वातावरण का दृश्य निहारने योग्य था। मंदिर की एक नियमित आगंतुक अंजू ने कहा, " मैं इस सुंदर समारोह को देखकर बहुत धन्य महसूस कर रही हूँ। यह बात



🌸 Nityananda Trayodashi (25th February)

Lord Balarama is the first expansion of the Lord. He accompanies the Lord in all His incarnations, sometimes as a younger brother and sometimes as the older one. As Balarama, he is the adi-Guru, the reservoir of mercy. Scriptures elaborate on how without the mercy of Balarama, self-realisation cannot be achieved. Lord Nityananda's appearance was celebrated with abhishek and kirtan. Amidst the resounding chant of the holy name, devotees sang, danced and took darshans of the resplendence of his form. Dressed in flower dresses, Their Lordships showered their mercy and beauty, giving immense pleasure to the hearts of their followers. In the evening, thousands took darshan of the dry fruit dress, which is offered to the Lord on this day, every year. Both the flower and the dry fruit darshans are a special feature of this celebration. People throng the temple from far and wide to catch a glimpse of these beautiful darshans. The sumptuous Ekadashi feast which follows this ceremony, is welcomed as the Lord's mercy and his unlimited blessing.



इसकी साक्षी है कि सच्चा आनंद केवल कृष्ण भावनामृत में ही अनुभव किया जा सकता है।'

🌸 नित्यानंद त्रयोदशी (25 फरवरी)

भगवान् बलराम जी, श्री भगवान् के प्रथम विस्तार हैं। भगवान् के सभी अवतारों में वह उनके संगी होते हैं, कभी छोटे भाई के रूप में और कभी बड़े के रूप में। बलरामजी के रूप में, वे आदि-गुरु एवं दया के भंडार हैं। शास्त्रों में विस्तार से वर्णन है कि कैसे बलराम जी की दया के बिना आत्म-साक्षात्कार प्राप्त नहीं किया जा सकता है। भगवान् नित्यानंद का प्राकट्य कीर्तन तथा अभिषेक के साथ मनाया गया पवित्र हरिनाम के गूँजते वातावरण में, भक्तों ने नृतन एवं गायन किया एवं उनके रूप की शोभा के दर्शन किए। फूलों की पोशाक पहने भगवान् ने अपने भक्तों के हृदय में अपने सौंदर्य एवं कृपा की असीमित वृष्टि की। संध्या बेला में सहस्रों श्रद्धालुओं ने, सूखे मेवों से बनी पोशाक में भगवान् का दर्शन किया जो प्रतिवर्ष इस दिन भगवान् को अर्पित की जाती है। पुष्प एवं मेवों से बनी पोशाकों में दर्शन, इस उत्सव की एक विलक्षण विशेषता हैं। इन सुन्दर दर्शनों की एक झलक पाने को श्रद्धालुगण दूर-दूर से मंदिर में खिंचे चले आते हैं। इस उत्सव के उपरान्त, भगवान् की दया एवं उनके असीम आशीर्वाद के रूप में एक वैभवशाली एकादशी भोज का आयोजन भी किया गया।

🌸 Book Marathon Prize Distribution (ISKCON, East of Kailash)

Book distribution is our 'family business'. The annual Book Marathon '20 was a unique and never before event. Book distribution in the middle of a raging pandemic was nothing less than an adventure. While people stayed indoors to avoid infection, the soldiers of Srila Prabhupada engaged in a battle with adversity, to distribute transcendental literature. Devotees invented new ways to reach out to people. Doing a commendable job of earning 497865 book points, ISKCON Delhi stood first in the world. This feat was possible only because of the guidance of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. The annual Prize distribution for the participants of Book Distribution was held on 7th February. The tokens of appreciation were given away by H.G. Mohan Rupa Prabhu, Temple President, East of Kailash, new Delhi.

🌸 पुस्तक मैराथन का पुरस्कार वितरण समारोह (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

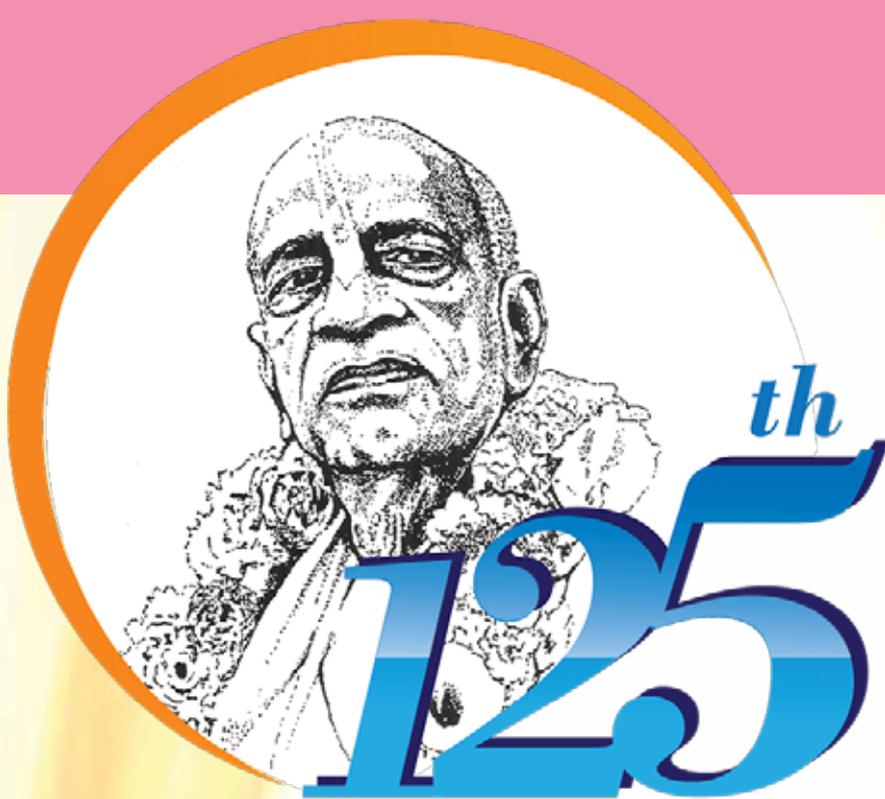
पुस्तक वितरण हमारा श्पारिवारिक व्यवसाय है। वार्षिक पुस्तक मैराथन-2020 एक अद्वितीय एवं अभूतपूर्व समारोह था। एक उग्र महामारीय प्रकोप के मध्य पुस्तक वितरण किसी साहसिक कार्य से कम नहीं था। जब लोग संक्रमण से बचने हेतु घरों में बंद रहते थे, उस समय श्रील प्रभुपाद के सैनिक विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहे थे, ताकि दिव्य साहित्य का वितरण कर सकें। भक्तों ने लोगों तक पहुंचने की नई विधियों को खोजा। 497865 पुस्तक अंक अर्जित करने का सराहनीय कार्य करते हुए इस्कॉन दिल्ली मंदिर दुनिया भर में प्रथम स्थान पर रहा। परम पूज्य श्रील गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी के पावन मार्गदर्शन के कारण ही यह असाधारण उपलब्धि संभव हो सकी। पुस्तक वितरण के प्रतिभागियों हेतु वार्षिक पुरस्कार वितरण 7 फरवरी को आयोजित किया गया। नई दिल्ली ईस्ट ऑफ कैलाश इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान मोहन रूप प्रभु द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र वितरित किये गए।

🌸 Offering a Flower (Feb 2021) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The girls' forum devotees have started a new program for making garlands on the weekends. The sessions witnessed participation from more than 20 devotees, who really benefitted from a very systematic training provided for making garlands for the deities. The girls happily learned the art of garland making in the proper consciousness to serve the Lordships with all their abilities, creativity, talent and hard work.

🌸 पुष्पार्पण (फरवरी 2021) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन बालिका मंच की भक्तियों ने सप्ताहांत में विग्रहों हेतु माला निर्माण का एक नया कार्यक्रम आरम्भ किया है। सत्र में 20 से अधिक भक्तियों की भागीदारी देखी गई, जो वास्तव में भगवान् के विग्रहों के लिए माला निर्माण हेतु प्रदान किए गए एक सुव्यवस्थित प्रशिक्षण से लाभान्वित हुईं। बालिकाओं ने अपनी पूर्ण क्षमता, रचनात्मकता, प्रतिभा एवं कठोर श्रम के संग भगवान् की सेवा करने हेतु समुचित चेतना में माला निर्माण की कला सीखी।



SRILA PRABHUPADA

BIRTH ANNIVERSARY

— 1896-2021 —

AN INDIAN SAINT IN AMERICA

A scholar's portrait of the founder and spiritual guide of the Hare Krsna movement.

*Professor Thomas J. Hopkins is chairman of the department of religious studies at Franklin and Marshall College, in Lancaster, Pennsylvania. A noted scholar of Hinduism, he is the author of *The Hindu Religious Tradition*, a standard college text. His special interest in bhakti (devotional) Hinduism led him, in 1967, to encounter the recently established Krsna consciousness movement and*

its founder, His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, and Dr. Hopkins became the first serious academic observer of the movement.

In the following excerpt from an interview, Dr. Hopkins reflects upon Srila Prabhupada's stature as spiritual leader, saint, and scholar. The interviewer and the book's editor is Steven J. Gelberg, ISKCON's Director for Interreligious Affairs, who is known within the Hare Krsna movement as Subhananda dasa.

Subhananda Dasa: Perhaps you could say something about the historical importance of Bhaktivedanta Swami's [Srila Prabhupada's] bringing of the message of Krsna consciousness to the West.

Thomas Hopkins: Bhaktivedanta Swami was the inheritor of a revitalized Caitanyaite tradition [The Caitanyaite tradition, or the Gaudiya Vaisnava

tradition, was founded by Sri Caitanya Mahaprabhu, who is Lord Krsna Himself taking the role of His own devotee. He appeared in Bengal, India, five hundred years ago and taught love of God through the congregational chanting of the Hare Krsna mantra.] as it came down from Bhaktivinoda and Bhaktisiddhanta. Let's backtrack a bit and take a quick look at his life in India before coming to the United States. He was born in Calcutta in 1896 and received an English education at Scottish Churches' College in Calcutta. After college he went into business and ran a pharmacy for many years in Allahabad. After his initiation in Allahabad by Bhaktisiddhanta Sarasvati, he turned his attention increasingly to the religious duty set by his teacher: to preach the message of Caitanya to English-speaking people.

He founded the magazine BACK TO GODHEAD in 1944 to serve as a vehicle for this purpose and produced a series of English expositions of sacred writings. His long-term goal, however, was a translation and commentary on the Bhagavata Purana. He began work on this project after being initiated into the renounced order, sannyasa, in 1959, and by 1965 he had completed and published the First Canto of the Bhagavata in three volumes. At that point, armed with a message and a mission, he set sail for New York City to bring Krsna consciousness to the West.

Bhaktivedanta Swami's success story is an unlikely one, to say the least. He was seventy years old when he arrived in America. It was his first trip outside India; he had no money and no local means of support. But he did have a revitalized and spiritually rich Gaudiya Vaisnava tradition that had been imbued, by both Bhaktivinoda and Bhaktisiddhanta, with a spirit of universality and of relevance to the modern world. But it must be admitted, certainly, that not just anybody could have inherited and transmitted that legacy. Other disciples of Bhaktisiddhanta had tried and failed to bring the devotional message of Caitanya to the Western world.

And after Bhaktisiddhanta passed away, his organization, the Gaudiya Matha, was torn asunder by internal power struggles and other kinds of upheaval. Bhaktivedanta Swami,





obviously, was a very special person, a spiritual leader of rare power. His success in bringing the message to the West and planting it in a place where it took root and flourished without compromising his tradition has to be seen as largely an effect of his tremendous personal spirituality and holiness and his incredible determination.

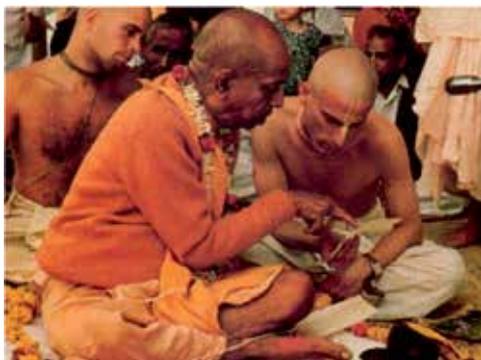
It's an astonishing story. If someone told you a story like this, you wouldn't believe it. Here's this person, he's seventy years old, he's going to a country where he's never been before, he doesn't know anybody there, he has no money, he has no contacts. He has none of the things, you would say, that make for success. He's going to recruit people not on any systematic basis but just by picking up whomever he comes across, and he's going to give them responsibility for organizing a worldwide movement. You'd say, "What kind of program is that?"

There are precedents, perhaps. Jesus of Nazareth went around saying, "Come follow me. Drop your nets, or leave your tax collecting, and come with me and be my disciple." But in his case, he wasn't an old man in a strange society dealing with people whose backgrounds were totally different from his own. He was dealing with his own community. Bhaktivedanta Swami's achievement, then, must be seen as unique.

Bhaktivedanta Swami's personal example of devotion was not only impressive, but it was compelling, as evidenced by the way in which so many young Westerners were drawn to him. What got people chanting the Hare Krsna mantra in the beginning was confronting Bhaktivedanta Swami and being just overwhelmed by the man and feeling, "I want to be near this person; I want to become like this person." And his approach was one of taking people on and saying, "Here's how."

I don't think any devotional tradition has ever really been successful without some kind of model devotee to provide an example of devotion and of holiness. The role of the holy man is really inseparable from the devotional traditions. There's just no way you can convey the quality of devotion without an example of devotion. Devotion, in the sense of spontaneous devotion, is not something you can teach people intellectually or convey by reciting a set of abstract principles, saying, "Now, being devotional means being such and such. Number one you do this and number two you do that."

Of course, devotion does not arise out of nowhere. The devotional path is indeed a path. The devotee follows various religious regulations and disciplines that gradually revive the natural devotion of the soul, of the heart. But it is difficult



to adhere to such disciplines, or to know how to adhere to them, if there is no good example of a devotee to follow. The devotional tradition makes this point constantly: association with saints inspires saintliness, association with devotees inspires devotion. The association of genuine devotees can exert a powerful effect upon one's consciousness.

I can clearly remember the quality of Bhaktivedanta Swami. He wasn't a great singer in the sense of having a superstar's recording voice; his was the voice of a man seventy years old. Yet when he chanted and when he sang, the whole enterprise took on a different quality, and he would shape the experience for other people. You could see him shaping the experience for other people. If the chanting became routine, if it began to lose its spirit, he would change the beat, change the meter, or introduce some new element into the kirtana to bring people's minds back to what they

were doing.

So you could see him very consciously and very patiently shaping people's devotional practices and their sense of who they were, and bringing them to the standard. He would guide people not by saying "That's wrong" or "We don't do it that way in India" but by providing, as people became ready, new examples and new levels of attainment so that one never reached the end of the process. There was always another level to reach. No one ever seriously expected to reach his level, and yet he never set that level so far beyond where people were that they would view it as unattainable. He was a master at making that kind of contact.

Bhaktivedanta Swami was certainly one of those people who had that capacity to guide and direct and to discipline. He wasn't afraid to set standards. Regarding his effectiveness in dealing with counterculture youths, from the very beginning it seemed to me to be obvious that he was providing a sense of direction to people to whom no one had ever really given that kind of guidance. Their parents and other authority figures had simply told them, "Do whatever you want. It's your life, go out and do whatever you want with it." That's not much to go by. Bhaktivedanta Swami's approach was quite different. If you wanted to live your life the way you wanted to live it, that was all right with him, but not where he was!—and not in the temple and not in the community of disciples. In the temple there were standards, and there was a wise, compassionate, and understanding person who knew what was what. There was never any question of where he stood on things. He never pulled any punches or watered down his position to lull people into submission or acceptance.





🌳 Appearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (3rd March)

As the torch bearer of the Gaudiya sampradaya, after the departure of Srila Bhaktivinode Thakura, Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura is one of the chief spiritual Gurus of the Modern era. An erudite scholar and a Vedantist, he re-established the glory of the Vaishnava tradition. Known as 'lion Guru', he took on the smarta Brahmins, to abolish the abominable system of hereditary Brahmanical culture. His desire to preach all around the world was the seed laid for a worldwide Krishna consciousness movement, born as ISKCON. The appearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura will be celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification.

🌳 Disappearance day of Srila Jagannatha Das Babaji Maharaja (14th March)

Srila Jagannatha Babaji Maharaja is a prominent acharya in our disciplic succession. At an advanced stage, he testified the birth place of Chaitanya Mahaprabhu. Jumping high up in the air in jubilation he helped unearthing the place of appearance of Gauranga Mahaprabhu. His disappearance will be celebrated with pushpanjali and kirtan.

🌳 Navadvipa Mandala Parikrama (17th -23rd Mar)

Devotees from all over the world will get together for this annual parikrama, visit the pastime places of Mahaprabhu and relish the nectarean Gaura katha, in the association of exalted Vaishnavas and sannyasis.

🌳 Gaura Purnima (28th March)

Srimad Bhagavatam describes the dark age of Kali as an era of people who are misguided and unfortunate. It seems to be replete with misery and suffering. In this age too, Krishna upholds His promise of appearing to protect His devotees and annihilate the demonic forces. He appears as Chaitanya Mahaprabhu, on the full moon of the Phalguna month, to Jagannatha Misra and Sacidevi, in the district of Nadia, West Bengal. Gauranga Mahaprabhu is Krishna Himself. Appearing in a golden complexion, He establishes the yuga-dharma of sankirtana. The appearance of Chaitanya Mahaprabhu will be celebrated with festivities spread over a week. Gaura katha will be organised in the temple. Devotees hear and relish the pastimes of the Lord. A grand abhishek will be organised. Jubilant kirtan and dance will add to the festivities, thousands will witness. Sumptuous Ekadashi feast is the culmination of this celebration. Devotees pray to Mahaprabhu for mercy as He is the most munificent incarnation of the Lord. It is under His mercy and shelter that Krishna consciousness proliferates and the spread of the holy name thrives in the dark age of Kaliyuga.



🌳 श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य दिवस (3-मार्च)

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर के धाम गमनोपरांत, श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर, गौड़ीय सम्प्रदाय के मशाल वाहक के रूप में, आधुनिक युग के प्रमुख आध्यात्मिक गुरुओं में से एक हैं। एक बहुश्रुत एवं एक वेदान्तवादी, जिन्होंने वैष्णव परंपरा की महिमा को पुनर्स्थापित किया। उन्हें सिंह गुरु के नाम से भी जाना जाता है। वंशानुगत ब्राह्मणवादी संस्कृति की घृणित प्रणाली को समाप्त करने हेतु उन्होंने स्मार्त ब्राह्मणों को आड़े हाथों लिया। संसार भर में प्रचार करने की उनकी इच्छा ही विश्वव्यापी कृष्ण भावनमृत आंदोलन का रोपा गया बीज था, जिसकी परिणति इस्कॉन के उद्भव के रूप में हुई। श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य दिवस पुष्पांजली, कीर्तन एवं उनके गुणानुवादन के साथ मनाया जाएगा।

🌳 श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (14 मार्च)

श्री जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज हमारी गुरु परम्परा में एक प्रमुख आचार्य हैं। एक उन्नत अवस्था में, उन्होंने चैतन्य महाप्रभु की जन्म स्थली को प्रमाणित किया। आनन्द से परिपूर्ण हवा में ऊँचे-ऊँचे कूदते हुए उन्होंने गौरांग महाप्रभु की प्राकट्य-स्थली को खोजकर निकालने में सहायता की। उनका तिरोभाव दिवस पुष्पांजली एवं कीर्तन के साथ मनाया जाएगा।

🌳 नवद्वीप मंडल परिक्रमा (17-23 मार्च)

संसार भर से भक्तगण इस वार्षिक परिक्रमा हेतु एक साथ एकत्रित होंगे, महाप्रभु की लीला स्थलियों के दर्शन करने एवं उच्च वैष्णवों तथा संन्यासियों के संग में अमृतमयि गौर कथा का आनंद लेने हेतु।

🌳 गौर पूर्णिमा (28 मार्च)

श्रीमद्भागवतम्, कलिकाल के गहनतम युग की व्याख्या, ऐसे लोगों के युग रूप में करता है, जो दुर्भाग्यशाली एवं पथभ्रष्ट हैं। यह पीड़ा और संताप से परिपूर्ण दिखाई देता है। भगवान् श्री कृष्ण, इस युग में भी अवतरित होकर, अपने भक्तों की रक्षा करने एवं आसुरी शक्तियों का विनाश करने के अपने प्रण को बनाये रखते हैं। वह चैतन्य महाप्रभु के रूप में, फाल्गुन पूर्णिमा को, पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में, पिता जगन्नाथ मिश्र एवं माता शची देवी के पुत्र बनके प्रकट होते हैं। गौरांग महाप्रभु स्वयं श्री कृष्ण हैं। स्वर्णिम अवतार के रूप में प्रकट होकर, वह संकीर्तन के युग-धर्म की स्थापना करते हैं। चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य सप्ताह भर तक विस्तारित उत्सव के संग मनाया जाएगा। मंदिर में गौर कथा का आयोजन किया जाएगा। भक्तगण भगवान् की लीलाओं को सुनकर उनका आनंद लेते हैं। एक भव्य अभिषेक का आयोजन किया जाएगा। आनंदवर्धक कीर्तन तथा नृत्य उत्सव में सम्मिलित होकर हजारों भक्तगण इसके साक्षी बनेंगे। इस उत्सव की परिणति एक वैभवशाली एकादशी भोज के रूप में होती है। भक्त महाप्रभु से दया की प्रार्थना करते हैं क्योंकि वे भगवान् के परमोदार अवतार, करुणावतार स्वरूप हैं। उनकी कृपा एवं आश्रय के फलस्वरूप ही कृष्ण भावनामृत के प्रसार में विपुल वृद्धि होती है एवं गहन कलियुग में भी पवित्र हरि नाम पल्लवित होता है।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejawal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar- E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivasa Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM.
Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk, Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal, Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road, Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845, 8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirk Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension.
Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gausala Road Kishan Garh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham, Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School, New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi, Contact - 8882347935, 7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave, New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket, New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir, Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni, New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916, 7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-
Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park),
Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959